प्रश्न: नरक कैसा स्थान है? क्या लोग मृत्यु के बाद वहाँ
जाकर पीड़ा भोगते हैं, या यह कुछ और है?

उत्तर:

बाइबिल में नरक एक वास्तविक, आध्यात्मिक स्थान है जहाँ अस्वीकृत आत्माएँ मृत्यु के बाद जाती हैं। यह कोई मिथक या प्रतीकात्मक विचार नहीं है, बल्कि चेतन पीड़ा का वास्तविक स्थान है।

बाइबिल सिखाती है कि मनुष्य को अनन्त आत्मा के साथ बनाया गया है (उत्पत्ति 2:7), जो शारीरिक मृत्यु के बाद भी बनी रहती है। आत्मा कहाँ जाएगी यह इस बात पर निर्भर करता है कि व्यक्ति यीशु मसीह के बलिदान के माध्यम से परमेश्वर के साथ मेल मिला है या नहीं (इब्रानियों 9:27)।

नरक – अस्थायी दंड का स्थान

लूका 16:19–31 में यीशु ने धनाढ्य और लाजरुस की दृष्टांत दी। मृत्यु के बाद:

धनाढ्य व्यक्ति, जो स्वार्थी और विश्वासहीन था, नरक गया, जो पीड़ा का स्थान है।
लाजरुस, गरीब लेकिन विश्वासशील, अब्राहम की गोद में ले जाया गया — आराम और शांति का स्थान।
“और नरक में पीड़ा भोगते हुए उसने अपनी आँखें उठाईं और दूर से अब्राहम को देखा…” (लूका 16:23)

प्रश्न: नरक कैसा स्थान है? क्या लोग मृत्यु के बाद वहाँ जाकर पीड़ा भोगते हैं, या यह कुछ और है?

इस दृष्टांत से स्पष्ट होता है:

1. मृत्यु के बाद चेतन अस्तित्व की वास्तविकता।
2. मृत्युपरांत तुरंत बचाए गए और अस्वीकृत व्यक्तियों के बीच अलगाव।
3. नरक में खोए हुए लोगों की पीड़ा वास्तविक है, केवल प्रतीकात्मक नहीं।

अंतिम न्याय और अग्नि की झील

नरक में पीड़ा अस्थायी है। मसीह के सहस्राब्दिक राज्य के बाद (प्रकाशितवाक्य 20:4–6), मृतकों को पुनर्जीवित किया जाएगा और परमेश्वर के सामने न्याय किया जाएगा।

“और मैंने देखा, छोटे-बड़े सभी मृतक परमेश्वर के सामने खड़े हैं… और उनके कामों के अनुसार न्याय किया गया।” (प्रकाशितवाक्य 20:12–13)

जिनके नाम जीवन की पुस्तक में नहीं हैं, उन्हें अग्नि की झील में फेंक दिया जाएगा, जिसे “दूसरी मृत्यु” कहा गया है (प्रकाशितवाक्य 20:14–15)। यह अनन्त दंड है, परमेश्वर से अनन्त पृथक्करण का स्थान।

प्रश्न: नरक कैसा स्थान है? क्या लोग मृत्यु के बाद वहाँ
जाकर पीड़ा भोगते हैं, या यह कुछ और है?

न्याय पर ध्यान दें:
परमेश्वर का न्याय पूरी तरह न्यायपूर्ण और परिपूर्ण है (भजन संहिता 9:7–8)। प्रत्येक व्यक्ति को उसके कर्मों और सुसमाचार के प्रति उसकी प्रतिक्रिया के अनुसार न्याय किया जाएगा (रोमियों 2:6–8)। अग्नि की झील परमेश्वर की कृपा को अस्वीकार करने का अंतिम परिणाम है।

धर्मियों का पुनर्जीवन और स्वर्ग (शांति का स्थान)

जो लोग यीशु मसीह में विश्वास करते हैं, वे मृत्यु के बाद नरक नहीं जाते। वे सीधे स्वर्ग में जाते हैं, जहाँ उन्हें विश्राम और शांति मिलती है (लूका 23:43), और वे पुनर्जीवन की प्रतीक्षा करते हैं।

“आज ही तू मेरे साथ स्वर्ग में रहेगा।” (लूका 23:43)

यीशु के दूसरे आगमन पर, धर्मियों के मृतक पुनर्जीवित होंगे, उन्हें महिमामय शरीर मिलेगा, और जीवित विश्वासियों के साथ हमेशा प्रभु के साथ रहेंगे।

प्रश्न: नरक कैसा स्थान है? क्या लोग मृत्यु के बाद वहाँ
जाकर पीड़ा भोगते हैं, या यह कुछ और है?

“क्योंकि प्रभु स्वयं स्वर्ग से एक पुकार के साथ उतरेंगे…
और मसीह में मृतक पहले उठेंगे। फिर हम जो जीवित हैं… प्रभु
से मिलने के लिए हवा में उठाए जाएंगे।” (1 थेस्सलोनियों 4:16–17)

पुनर्जीवन और अनन्त जीवन का महत्व

धर्मियों का पुनर्जीवन “प्रथम पुनर्जीवन” है (प्रकाशितवाक्य 20:5–6), जो परमेश्वर के साथ अनन्त जीवन की गारंटी देता है। यह पुनर्जीवन यीशु मसीह के माध्यम से पाप और मृत्यु पर विजय की पुष्टि करता है (1 कुरिन्थियों 15:54–57)।

सारांश

1. नरक अस्वीकृत लोगों के लिए मृत्यु के बाद चेतन और अस्थायी दंड का वास्तविक स्थान है (लूका 16:23–24)।
2. अंतिम न्याय उनके विश्वास और कर्मों के आधार पर अनन्त भाग्य तय करेगा (प्रकाशितवाक्य 20:12–15)।
3. जिनके नाम जीवन की पुस्तक में नहीं हैं, उन्हें अग्नि की झील में फेंक दिया जाएगा (प्रकाशितवाक्य 20:15)।
4. धर्मी मृत्यु के तुरंत बाद स्वर्ग में जाते हैं, जहाँ वे पुनर्जीवन तक विश्राम करते हैं (लूका 23:43; 1 थेस्सलोनियों 4:16–17)।
5. यीशु मसीह में विश्वास के माध्यम से ही नरक से बचा जा सकता है और अनन्त जीवन पाया जा सकता है (यूहन्ना 3:36)।

प्रश्न: नरक कैसा स्थान है? क्या लोग मृत्यु के बाद वहाँ
जाकर पीड़ा भोगते हैं, या यह कुछ और है?

“जो पुत्र में विश्वास करता है, उसका अनन्त जीवन है; और जो
पुत्र पर विश्वास नहीं करता, वह जीवन नहीं देखेगा, बल्कि परमेश्वर का क्रोध उस पर बना रहेगा।” (यूहन्ना 3:36)

निष्कर्ष:
नरक एक वास्तविक न्याय और पीड़ा का स्थान है, लेकिन परमेश्वर की दया हमें यीशु मसीह के माध्यम से उद्धार देती है। हमें यह उपहार स्वीकार करने के लिए आमंत्रित किया गया है ताकि हम अनन्त दंड से बचें और सदैव उसके साथ रहें।

ईश्वर आपको आशीर्वाद दें और सच्चाई में मार्गदर्शन करें।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp